नागरिक अधिकार कार्यकर्ता तिरुमुरुगन गांधी जेल में

यह मुकदमा गांधी के ऊपर 2017 में फलस्तीनियों के संघर्ष के साथ एक बैठक में एकजुटता जताने के लिए दर्ज किया गया है।

पिछले 14 दिनों से गांधी जेल में हैं। उन्हें बंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था जब वे जिनेवा से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की बैठक में हिस्सा लेकर लौट रहे थे। वहां से उन्हें चेन्नई लाया गया और वेल्लूर की जेल में कैद कर दिया गया। पिछले 14 दिनों में उनके ऊपर 13 अलग-अलग मुकदमे लाद दिए गए हैं। इनमें से चार मुकदमे राजद्रोह के हैं तो आइपीसी की धारा 124-ए के अंतर्गत लगाए गए हैं। ये राजद्रोह के मुकदमे उन पर पेरियार और आंबेडकर की प्रतिमाओं को माला पहनाने, सभा को संबोधित करने, फेसबुक पर स्टरलाइट संघर्ष के वीडियो पोस्ट करने के लिए किए गए हैं।

उन्हें जेल में एकांतवास में रखा गया है और तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों में सुनवाइयों के लिए घुमाया जा रहा है। अलंदूर की अदालत में उन्हें जब बीते शनिवार को ले जाया गया तो उनके आग्रह के बावजूद पुलिस उन्हें चिकित्सक के पास नहीं ले गई और पेशाब करने तक नहीं जाने दिया।

शनिवार को अलंदूर के मजिस्ट्रेट ने उनके ऊपर 2017 में इस्लामिक संगठनों की एक बैठक में संबोधन के लिए यूएपीए का मुकदमा लगा दिया। वह बैठक फलस्तीन में मानवाधिकारों की निंदा करने के लिए बुलाई गई थी जहां फलस्तीनियों के संघर्ष के साथ एकजुटता दर्शायी गई थी।

- मुकेश असीम

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5
2. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
4. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे
5. राम खिलावन बल्लबगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने
6. हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास
7. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207

सेल टैक्स विभाग का झूठ पकड़ा गया

करनाल (म.मो.) सेल टेक्स विभाग में झूठा एफीडैविट देकर सेल टैक्स नम्बर लेने का मामला प्रकाश में आया है। करनाल के सदर बाजार में लव कुमार नामक व्यक्ति ने अपनी माता शांति देवी के नाम से झूठा शपथ पत्र तथा उस पर अपनी माता के झूठे हस्ताक्षर कर बिक्रीकर विभाग को गुमराह कर अपनी पत्नि श्रीमति अन्जू के नाम सेल टैक्स नंबर ले लिया। जब शांतिदेवी को पता चला तो उन्होंने विभाग को इस मामले में 6-12-2013 को सूचित किया। कहा कि उन्होंने कोई शपथ पत्र नहीं दिया। इस मामले में सेल टैक्स विभाग के अधिकारी ने शांति देवी के बयान भी लिए। जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई शपथ पत्र नहीं दिया और न ही कोई हस्ताक्षर किये है उसके बाद भी फर्म के खिलाफ कोई कार्रवाई न की गई।

लव कुमार ने अपनी पत्नी अंजू के नाम से आनंद श्री इंटरप्राइजिज करनाल के लिए सेल टैक्स पंजीयन नंबर के लिए आवेदन 2010 में किया था। इसके साथ मकान में किराएदार के रूप में किराएनामे के लिए अपनी माता शांतिदेवी के नाम से झूठा शपथ पत्र दाखिल कर दिया। विभाग ने इस मामले में न तो मकान मालिक से पूछा और न जांच की कि शपथ पत्र असली है या नहीं।

हैरानी की बात तो ये है कि जब 23-10-2010 को किरायानामा में मकान न० ए-484 का किया गया है परन्तु विभाग इतना अंधा है उसने यह भी नही देखा कि फिर 30-08-2010 को फर्म द्वारा दी गई स्टेटमैन्ट में मकान न० ए-484 के साथ-साथ पड़ोसी का मकान ए-483 दर्शाया गया है। जबकि इसका मालिक कोई और है विभाग को तब भी फर्जीवाड़ा दिखाई नही दिया। दिखाई भी कैसे दे जब भ्रष्टाचारियों ने सिस्टम बना रखा है रिश्वत दो और घर बैठे-बैठे ही बिना मोका मुआयना कराये सेल टैक्स नम्बर पाओ। जो इस मामले में भी ऐसे ही हुआ है ।

इस मामले में शांति देवी की शिकायत पर इसंपैक्टर संजीव कुमार ने आनंद श्री इंटरप्राइजेज फर्म को नोटिस देने की बात कही और मौका पर भी गया। जिसमें इन्सपैक्टर ने यह भी कहा कि फर्म वहां नही चल रही थी ।

प्राप्त जानकारी अनुसार फर्म के मालिक को इससे बचने का उपाय भी दे दिया कि फर्म को डिस्पोस ऑफ करा दो या कोई अन्य जगह पर फर्म बदलने की हमें सूचना देदो। जाहिर है कि इस सलाह देने के लिये कुछ नजराना भी लिया होगा। लव कुमार ने इंसपैक्टर की सलाह को मानते हुये आनंद श्री इंटरप्राइजेज फर्म के पंजीयन को कैंसिल करवा दिया।

हांलाकि इस मामले में लव कुमार ने आईसक्रीम कोल्ड ड्रिंक आदि अडिशन कराने की कार्यालय में आवेदन कर रखा था । चाहिये तो कारवाई इन्सपैक्टर संजीव कुमार को ये तो था कि जब मकान में फर्म का स्टॉक नही है तो फिर वह स्टॉक कहां गया जो विभाग को कागजों में दिखा रखा है, और स्टॉक न होने की सूरत में उस पर जुर्माना लगाना चाहिये था ।

इस बीच लब कुमार तथा अंजू के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। जब कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार कर विभाग को धोखा दिया। इस मामले में विभाग ने आरोपियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की हैं। और अभी तक विभाग इस मामले को ठंडे बस्ते में रखे हुए हैं। इस मामले में शान्ति देवी ने भी विभाग को झूठे दस्तावेज लगाने के बारे में कारवाई की मांग भी की है ।

हैरानी की बात ये है कि लव कुमार की सांझी पुरानी फर्म एक्टिव फुटवियर के नाम से 85 लाख की रिकबरी 1995 से पैंडिंग को भी नजर अंदाज कर दिया।

इस मामले में जब डीईटीसी आनंद सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि इस मामले में वह कार्रवाई करेंगे। रिकवरी को लेकर विभाग गंभीर है।

FASHION.IN

Available all types of ladies cotton kurties, Fancy Kurties, Jegin, legin, Fancy Top, T-Shirts, Trousers and imported material in wholesale price.

SPECIALITY IN FANCY TOP & FANCY KURTIES

लेडीज कपड़ों पर भारी छूट

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

Address : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD NEAR DAYANAND WOMEN COLLEGE, ST. JOSEPH CONVENT SCHOOL ROAD . 9911489490

गतांक की चीर-फ़ाड़

डॉ. जुगल किशोर गुप्ता

खट्टर सरकार शिक्षा और छात्रों के भविष्य के प्रति बिल्कुल गम्भीर नहीं

मज़दूर मोर्चा के 02-06 सितम्बर 2018 के अंक में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व स्थानीय ज्वलंत व समसामयिक मुद्दों पर समाचार प्रकाशित हुये हैं। कुछ समय से देश में असहमति जताने और सत्ता का विरोध करने वाले को सरकारी तंत्र के द्वारा तरह-तरह से प्रताड़ित करने की घटनायें लगातार बढ़ रही हैं। महाराष्ट्र पुलिस ने अलग-अलग शहरों में छापे मारकर अर्बन नक्सलियों से संबंधों के आरोप में पांच प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, प्रोफ़ेसर, वकील व पत्रकार को गिरफ़्तार किया जिसकी 'दाऊद इब्राहिम की जगह पकड़ा गया सुधा भारद्वाज को' तथा 'गैर कानूनी ओर निरंकुश गिरफ़्तारियां' में उचित समीक्षा की गई है।

महराष्ट्र में भीमा कोरेगांव का 200 वां शौर्य दिवस मनाने के लिये 1 जनवरी 2018 को दलित समुदाय व उनके हमदर्दभारी संख्या में इकट्ठे हुये जिन पर हिंदुवादी संगठनों ने हमला कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति मारा गया। पुलिस जांच में हिन्दुवादी संगठन हिन्दू एकता अघाड़ी के मिलिंद एकबोते और शिवराज प्रतिष्ठान के संभाजी भिड़े को हिंसा करने और भड़काने का दोषी पाया गया। मुख्य आरोपी मिलिंद को एक बार गिरफ़्तार करने के बाद जमानत पर छोड़ दिया गया जबकि संभाजी भिड़े को की भी गिरफ़्तार ही नहीं किया गया। क्योंकि राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार संभाजी भिड़े प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पुड़णवीस का करीबी है। इसके अतिरिक्त प्रगतिशील, तर्कवादी, अन्धविश्वास विरोधी, पत्रकार पानसरे, दाभोलकर, कुलबर्गी, गौरी लंकेश आदि की हत्या में एसआईटी की जांच में हिंदूवादी सनातन संस्था का नाम उजाग़र होने पर आरएसएस व मोदी सरकार दोनों सकते में आ गये और उनकी स्थिति असहज हो गई। हिन्दुत्व पर यह चोट और वह भी अपनी सरकार के शासन काल में तथा अपनी पुलिस के हाथों इनको बर्दाश्त नहीं हुई। इस पर लोग़ों का ध्यान बंटाने के लिये मोदी सरकार ने अलग-अलग शहरों में छापे लगवाये और प्रोफ़ेसर सुधा भारद्वाज, पत्रकार गौतम नवलखा, कवि व विचारक वरवर राव, वेरनॉन गोंजविल्स और अरूण फरेरा को गिरफ़्तार कर लिया। इनकी गिरफ़्तारी के विरुद्ध अपील करने पर सुप्रीमकोर्ट ने असहमति को लोकतंत्र का सेफ्टी वाल्व बताते हुये कहा कि यदि आप (सरकार) इसकी इजाजत नहीं देगी, तो सेफ्टी वल्व फट जायेगा।

'पुलिस द्वारा सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ़्तारी के विरोध में प्रर्दशन' के अनुसार देश भर में अलग-अलग शहरों में ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, वकीलों, पत्रकारों, तर्कवादियों, लेखकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मासनवाधिकार कार्यकर्ताओं ने सरकार की लोकतंत्र विरोधी कार्यवाई की निंदा की तथा इन कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा करने की मांग की। सुप्रीमकोर्ट के दखल के बाद इन पांचों को तात्कालिक राहत देते हुये इन्हें अपने-अपने घरों में नज़रबंद रखने की व्यवस्था की गई। इस बीच आरएसए, मोदी सरकार व फड़णवीस सरकार ने इन पांचों की गिरफ़्तारी को उचित ठहराते हुये समर्थन किया। फड़णवीस सरकार ने अपना पक्ष रखने के लिये पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक परमवीर सिंह को आगे कर दिया जिसने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उनके पास इनके माओवादियों के साथ संबंध होने के पुख्ता सबूत हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सवाल उठाते हुये कहा कि जब केस अदालत में विचाराधीन है तो पुलिस उन दस्तावेज़ों को मीडिया के सामने कैसे पढ़ सकती है। नजरबंद सुधा भारद्वाज ने पुणे पुलिस के दावों को सिरे से खारिज करते हुये इन्हें पूर्ण रूप से मनगढंत करार दिया। यही अघोषित आपातकाल है जब पार्टी, सरकार और जांच एजेंसी का भेद समाप्त हो गया है।

गौरतलब है कि संघ के पूर्व सर संघ चालक गुरू गोलवलकर ने भी एक बार दलितों द्वारा पेशवाओं के विरुद्ध भीमाकोरेगांव का शौर्य दिवस मनाने का विरोध किया था। आरएसएस पर ब्राह्मण वर्ग का प्रभुत्व रहा है इसलिये दलित वर्ग द्वारा ब्राह्मणों (पेशवा) की पराजय पर भीमा कोरेगांव का शौर्य दिवस मनाना संघ को सहन नहीं था। यह उनके लिये जले पर नमक छिड़कने जैसा था।

पुणे पुलिस ने भीमा कोरेगांव मामले में जून 2018 में दलित कार्यकर्ता सुधीर धवाले, वकील सुरेन्द्र गाडलिंग, महेश राउत, शोभा सेना और रोना विल्सन को पकड़ा था। पुलिस ने अपनी जांच में मिले सुराग के आधार पर उन पर प्रधानमंत्री मोदी की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इस नये मामले में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या जैसी मोदी की हत्या रचने की साजिश का आरोप लगाया गया और इनको अर्बन नक्सली का नाम दिया गया। यह हास्यास्पद है कि एसपीजी सुरक्षा प्राप्त बतौर प्रधानमंत्री मोदी की हत्या की साजिश का मामला दर्ज किया गया, जिसकी 'और कितना हंसाओगे नरेन्द्र मोदी' में चर्चा की गई है। वास्तव में भाजपा का यह एक राजनीतिक खेल है जो नरेन्द्र मोदी का पुराना गुजरात पैटर्न है। गुजरात में जब कभी तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी की लोकप्रियता कम होने लगती थी, तब उनकी हत्या की कोई न कोई साजिश सामने आ जाती थी। नोटबंदी की नाकामी, बेरोजगारी से युवाओं की परेशानी, किसानों की त्रास्दी, 2014 में किये गए झूठे वादे व आश्वासन के कारण मोदी सरकार सबसे ज़्यादा घिरी हुई है। इसलिये गुजरात पैटर्न पर फ़िर वही पुराना खेल शुरू कर दिया गया है।

हरियाणा में भाजपा की गिरती लोकप्रियता और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र जनता की वाहवाही लूटने के लिये खट्टर सरकार ने हरियाणा में 31 नये कॉलेज खोलने की घोषणा की जबकि नये कॉलेजों के लिये न तो विल्डिंग है और न ही पढाने के लिये प्राध्यापक। इस कमी को पूरा करने के लिये गेस्ट और विजिटिंग प्राध्यापक लगाये जाते थे जिनका पूरा शोषण किया जाता था और अब अन्य कॉलेजो से डेप्युटेशन पर भेजे जाने की शुरूआत कर दी गई परन्तु उन्हें दोनों कॉलेजों में पढाने का जिम्मा दिया गया जिसका पूरा कच्चा चिट्ठा 'शिक्षा विभाग के तुगलकी फ़रमानों से कॉलेज छात्र और शिक्षक सभी परेशान' में खोला गया है।

वास्तव में खट्टर सरकार शिक्षा और छात्रों के भविष्य के प्रति बिल्कुल गम्भीर नहीं है। स्थानीय राजकीय नेहरू कॉलेज के गेट पर अपनी मांगों को मनवाने के लिये लगभग एक माह से धरने पर बैठे छात्रों की सुनवाई न होने पर उन्होंने कॉलेज के गेट पर प्रदर्शन किया जिस पर पुलिस ने छात्रों पर लाठी चार्ज किया और कई छात्रों को चोटें भी आई, जिससे खट्टर सरकार का शिक्षा तथा छात्र विरोधी असली चेहरा 'खट्टर सरकार का संदेश:पढाई की मांग करोगे तो लाठी खाओगे-नेहरू कॉलेज के धरने पर बैठे छात्रों को पुलिस ने पीटा व गिरफ़्तार किया' में उजागर हुआ है। सरकार व प्रशासन द्वारा उनकी मांगे न माने जाने से छात्रों में रोष है।

24 अगस्त को लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फ़ॉर स्टैटेजिक स्टडी में श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुये कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरएसएस को अरब दुनिया के संगठन 'मुस्लिम ब्रदरहुड' जैसा बताया, जिस पर संघ व भाजपा ने गांधी की कटु आलोचना की तथा मानहानी का केस तक दाखिल कर दिया। 'आरएसएस और मुस्लिम ब्रदरहुड की नौ समानतायें जो कर देगी आपको चकित' में संघ व मुस्लिम ब्रदरहुड के बीच उनकी कार्यशैली व अल्पसंख्यकों को लेकर उनके नजरिये आदि की समानता का सटीक विश्लेषण किया गया है।

'मोदी को हटाने की कवायद और विकल्पहीनता का संकट' में मोदी सरकार के हर मोर्चे पर विफल हो जाने और मोदी सरकार के झूठे वादे व आश्वासनों की पोल खुल जाने पर मोदी सरकार की घटती लोकप्रियता परन्तु मोदी की प्रभावी विकल्पहीनता का उचित मूल्यांकन किया गया है। जनता मोदी सरकार से मुक्ति चाहती है जैसा कि हाल ही कर्नाटक स्थानीय नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस भाजपा से बाज़ी मार ले गई जबकि कांग्रेस-जनता दल (सेक्यूलर) की गठबंधन सरकार ने यह चुनाव अलग-अलग लड़ा था। यदि यह गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ता तो चुनाव का परिदृश्य कुछ और ही होता। इसलिये मोदी को अपदस्थ करने के लिये वास्तव में प्रभावी व सशक्त विकल्प की आवश्यकता है।

मॉब लिंचिंग के आरोप में गिरफ़्तार आरोपी को जमानत पर रिहा होने पर मोदी सरकार के मंत्री द्वारा माला पहनाकर स्वागत करने और सामाजिक व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को नक्सली होने के आरोप में जेल में डालने पर 'लिंचिंग कंन्डक्ट (बेल) एक्टिविस्ट (जेल)-आपका नये भारत में स्वागत है' कार्टून द्वारा मोदी सरकार की नीतियों पर उपयुक्त कटाक्ष किया गया है।